



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN22926	ImageGroup:	I4CN10392
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རྩེ་བཙུན་བླ་མ་དམ་ཚིག་རྩེ་རྩེ་གྲགས་པ་དཔལ་བཟང་པོའི་རྟོགས་བརྗོད། rje btsun bla ma dam tshig rdo rje grags pa dpal bzang po'i rtogs brjod/
Author:	སྐལ་བཟང་ཡེ་ཤེས་ skal bzang ye shes
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2020

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



नमो भगवते वासुदेवाय
 कर्मण्येवाङ्मया
 कर्मण्येवाङ्मया

सुकृत्यस्तु नमो भगवते वासुदेवाय
 कर्मण्येवाङ्मया
 कर्मण्येवाङ्मया

श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ	॥ कृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ भूयः शूरा नमोऽस्तु ते पादौघधरा ॥ त्वं हि शूरोऽस्य शूरोऽस्य शूरोऽस्य शूरोऽस्य ॥ त्वं हि शूरोऽस्य शूरोऽस्य शूरोऽस्य शूरोऽस्य ॥	॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ भूयः शूरा नमोऽस्तु ते पादौघधरा ॥ त्वं हि शूरोऽस्य शूरोऽस्य शूरोऽस्य शूरोऽस्य ॥ त्वं हि शूरोऽस्य शूरोऽस्य शूरोऽस्य शूरोऽस्य ॥
---	--	--

[illegible]

9

[illegible]

4

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]



६७। [The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a list of items or a table with multiple columns, but the characters are too light to transcribe accurately.]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

[illegible]

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 पाण्डव उवाच ॥ द्रुपदः प्रोक्तवानहं वीर्यवान् ॥ द्रुपदः प्रोक्तवानहं वीर्यवान् ॥ २ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ ४ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ ५ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ ६ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ ७ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ ८ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ ९ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे भवति युद्धं ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कुरु मे मया प्रसादात् सुखं भवति ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

991

2000

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1. 2000年10月1日起，凡在我国境内销售的所有乘用车，其排气量在1.6升（含）以下的，每升排气量征收消费税400元；排气量在1.6升以上至2.0升（含）的，每升排气量征收消费税500元；排气量在2.0升以上至2.5升（含）的，每升排气量征收消费税600元；排气量在2.5升以上至3.0升（含）的，每升排气量征收消费税800元；排气量在3.0升以上至4.0升（含）的，每升排气量征收消费税1000元；排气量在4.0升以上的，每升排气量征收消费税1200元。

50. *Phragmites australis* (Cav.) Trin. ex Steud.

Page 21

संज्ञा-यशस्विनी

समस्त कर्मसु समस्त कर्मसु

महाराष्ट्र शासन, शिक्षण विभाग, मुंबई

सुभाषराय। विद्योत्तमसुभाषराय

संस्कृत-विभाग

कुल्लुआर्याद्विहसिभुक्तुदमव

अथवा

महेश्वरः । अत्र भूयः पुनः सत्तु वारिभूयः ।

गणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५३३

5354

सुप्रसन्नस्य भक्त्या

15

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

பாண்டிச்சேரி நகராட்சி

100

4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 8

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|

800-451-7243

[illegible]

473734



STEIN

100

100

594

1995

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ऋषिर्भगवानुवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि खेमका ॥
 सौमेन्द्रो वीराश्रमो रणे बभूवुहो महामनात्मजा ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥ ८ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तु मे ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

10

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

2018

[illegible]

[illegible]



[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । पञ्चमः स्कन्धः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः ।
 १ । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः ।
 २ । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः ।
 ३ । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः ।
 ४ । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः ।
 ५ । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः । अथ त्रयोविंशोऽध्यायः ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे धर्मयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

७३। [सुत्रम्] विष्णुपुत्रः सदेवतं त्रिपुरारिः सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत् सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत्
 पुत्रस्तथाप्येवमस्ति तावन्तं दत्तं तत्रैव सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत् सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत्
 पुत्रस्तथाप्येवमस्ति तावन्तं दत्तं तत्रैव सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत् सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत्
 किञ्चित् सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत् सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत्
 पुत्रस्तथाप्येवमस्ति तावन्तं दत्तं तत्रैव सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत् सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत्
 पुत्रस्तथाप्येवमस्ति तावन्तं दत्तं तत्रैव सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत् सदा सुप्रसादयेत् कदाचनैषां पुत्रो भवेत्

1997

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
श्रीकृष्णमेतच्छिष्यमात्मन इन्द्रेन्द्राद्यैर्महात्मानाम् । त्वं प्राज्ञः परम-
हंसः सत्वसत्पुंसां मया श्रोत्रेण ह्यनुश्रुतम् ॥ १ ॥ त्वं हि पांडवस्य
प्रियस्य महाबाहो विदधस्व धर्ममपराधिनः । मामादिमान् पश्यन्ति
भार्यासहितान् ॥ २ ॥

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरं शरैश्चरितं तं शूराग्रजं वीर्यवान् ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरं शरैश्चरितं तं शूराग्रजं वीर्यवान् ॥

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

१०

... विष्णु वरह...
... देव...
... देव...
... देव...
... देव...
... देव...
... देव...
... देव...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
मादरदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
सुखदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
मादरदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
सुखदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
मादरदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
सुखदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
मादरदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
सुखदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं
मादरदुःखमादरदुःखपरीतुल्यं

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एभ्यः शत्रून् सामासीतमिच्छामि धर्ममाप्नुयान् समग्रमह्वयेषु ॥ ४ ॥

[illegible]

卷一

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ।

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

9

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । यत्किञ्चिदप्यब्रवीत्तन्मया श्रुत्वा तदा मुनिर्वाक्यं ब्रूयान्नृपः ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धं भवितुम् आचार्य उवाच । द्रोण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च दुर्जयः सहायैः । भीष्माचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुन उवाच ।
 द्रुपद उवाच । अस्मिन् महाभारते पांडवो विराटश्च पराक्रमः । पांडवो हस्तिकेशश्च
 भीष्मार्जुनसहोपाध्वजा । युधिष्ठिरश्च विक्रान्तः पांडवस्य सखा । युधिष्ठिरस्य सखा
 भीष्माचार्यः पराक्रमः । पांडवस्य सखा भीष्माचार्यः । पांडवस्य सखा भीष्माचार्यः ।
 पांडवस्य सखा भीष्माचार्यः । पांडवस्य सखा भीष्माचार्यः । पांडवस्य सखा भीष्माचार्यः ।
 पांडवस्य सखा भीष्माचार्यः । पांडवस्य सखा भीष्माचार्यः । पांडवस्य सखा भीष्माचार्यः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

501

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्यायम् ।
कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शृणु त्वमेव महात्मनः ।
प्रशस्त्यस्त्रैलोक्येश्वर्यं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेत्
साम्भवंतं मया मनुजैर्विद्यमानं व्यूढं महाबाहो यदा ।
तदा त्वं प्रस्थानां गच्छस्व मम पार्श्वे स्थाय ।

॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शूरा मया विलीनाः ।

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीवसुदेवाय नमः ॥ श्रीअर्जुनाय नमः ॥ श्रीभीमसेन्याय नमः ॥ श्रीसमर्थसेन्याय नमः ॥ श्रीसुहृत्सेन्याय नमः ॥ श्रीनकुलसेन्याय नमः ॥ श्रीवृकसेन्याय नमः ॥ श्रीपुत्रसेन्याय नमः ॥ श्रीशैब्याय नमः ॥ श्रीसहदेवाय नमः ॥ श्रीकामराजाय नमः ॥ श्रीविक्रान्ताय नमः ॥ श्रीनैऋत्याय नमः ॥ श्रीवसुदेवाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीभगवते वासुदेवाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखाय नमः ॥ त्वया प्रोक्तं श्रुत्वा मे
हृत्तपस्विना मुनिरात्मैक्यमात्मनश्चिन्तयेत् ॥ इति श्रीभगवानुवाच ॥ यः प्रा-
नान्तरात्मनो ह्यात्मनो बभूव विश्वमात्मनो ॥ स एवात्मानं धर्मज्ञः परमात्मनो ॥
ब्रह्मविद्यायां योगयोगः खलु हि साधनम् ॥ इति श्रीभगवानुवाच ॥ अर्जुन ॥
उवाच ॥ अत्रोपासीत शिरसां च पादाभ्यां च ॥ हस्तयोः च निशितां च शिरसां च ॥
उवाच ॥ अत्रोपासीत शिरसां च पादाभ्यां च ॥ हस्तयोः च निशितां च शिरसां च ॥
उवाच ॥ अत्रोपासीत शिरसां च पादाभ्यां च ॥ हस्तयोः च निशितां च शिरसां च ॥

[illegible]

श्री गुरुदेव की आज्ञा से मैंने इस पुस्तक को लिखा है।
 यह पुस्तक मेरी श्रम और प्रयत्न का फल है।
 मैं इसे आपकी सेवा में समर्पित करता हूँ।
 यदि आपको कोई सुझाव हो तो कृपया बता दें।
 धर्म और विद्या ही हमारे जीवन के आधार हैं।
 मैं इन दोनों को अपने दिल से प्यार करता हूँ।
 आपका भक्त,
 [नाम]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

22

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

10/27/2011

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काश्चित्पुंगवः पाण्डवश्चैव द्रुपदभीमार्जुनसमन्वितः
सौमसेन्द्रो महारथी युधिष्ठिर इन्द्रियधरः ।
बलशाली द्रुपदश्च भीमार्जुनसमात्मजे ।
अहो भूतविनाशक त्वं कुरुष्व ह्यनेकेन शत्रुणां
समाम्राट् । पश्यैतां पाण्डुपुत्राणां मया संवृतान्
सैन्यान् । तेषां वीराणां प्रमुखान् महाबलवान् ।
अस्मेतिहास्यमानान् । तेषां वीराणां प्रमुखान् ।
अस्मेतिहास्यमानान् । तेषां वीराणां प्रमुखान् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

13

[illegible]

५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

201

अथर्वसंहिता

एतदपि यत्किंचिदपि

सिद्धिद्वयसंज्ञा

मा एतान्तापि कृत्वा साक्षात्

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]



[The following text is extremely faded and illegible.]

[illegible]

9

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमः शिवाय ॥

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुभाषचन्द्रबोसकेद्वाराप्रेरितविरचितप्रस्तावनाएवं
संस्कृतपर्यायशब्दादिप्रमाणसंग्रहणमार्गद्वारासंस्कृतशब्दवाच्यविस्तारमेतत्प्रस्तावना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

1917

कर्मणि कर्मात्मानं कर्तुम् । इत्यथवा हादवाप्यहा ददा । अणदेरपरिचितेनैव लोकात् । अथास्त्वनेकददा । अथ त्वत्तापेयं यदनुपास्य त्वत्तापदद ।
 कर्मणि कर्मात्मानं कर्तुम् । इत्यथवा हादवाप्यहा ददा । अणदेरपरिचितेनैव लोकात् । अथास्त्वनेकददा । अथ त्वत्तापेयं यदनुपास्य त्वत्तापदद ।
 कर्मणि कर्मात्मानं कर्तुम् । इत्यथवा हादवाप्यहा ददा । अणदेरपरिचितेनैव लोकात् । अथास्त्वनेकददा । अथ त्वत्तापेयं यदनुपास्य त्वत्तापदद ।

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

08-07-09

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

5

[illegible]

[illegible]

[illegible]

BOOK REVIEW

[illegible]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

69

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



4

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Q

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

225

[illegible]

1

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

卷之四

[illegible]

[illegible]

2007

[illegible]

5

[illegible]

63

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1000

[illegible]

1992

[illegible]

2002

भुक्तये ददु यमुमासा ज्ञापय सु कदे ये वेले मसुरे वा सा पु सु कवे दे कदा सुता देर कवे दे दगा र पी दव ले क वे दे प रि मु मा या व मु मा या या कदा मे से क ह्ये के के मा सा
 ये ये वा लु का के म सु द म र सु क दे ये वे लु क न उ त्पा था सु द म रु मा । अथ न स्या । दे के स मे स वि भी द सा म दे ये वि ना सा पा ले स । ए इ य सु द ता मे नि ये सु ग वि ना य म हे क पे दि ।
 दसा तु म दे दू म रु से म य सा ता सु क ठी म । सो न सु सु क वे दे क दा ता द वा तं जा ति दे क दा पु सा प द द म म हे य द पु क र सु सा प द या म सा । दे र य सु मा सा म य सा । म मी हो क सा य
 ने क हु य धि द य सु द ती द य क रु क र ये वा य य म य म ये दे सा सा के हा सा म सु द पा ला म । म हा वि हा यु थ्य द सु क दे दे य ह्ये न प द सा ता हि दे सु क म सु द सा के म न ता हि य द म ।
 दे क दा ये म सा पु ये म य म न स सा य पु नी के ले सा म रे हा क र सु ये पा तु सु ता ने क पे ले क दा म द क प द क दा ता म न रे ये म वे क म म ये म सा । मा ही म ये क द द म द सा ये क म य म क दा
 सु य तु न । सु ये पा तु सु ता ने क पे ले म द पा सु द म ये दे म क र म र ता हि दे म सु मा या मी द य कि या वे ले सा पु पु रा । दे क दा के म हा म हे दे नु म य म सु क म पे ले सा म हे म क र म ये दे ने के क

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

2005

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे शूराध्याये ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥ १ ॥

Only

[The following text is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

वि.
म.
२०

॥ १० ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

69

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

956

[illegible]

150

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ एतन्मन्त्रं पठन् पञ्चमहाभूतानि विजयति ॥

63

[illegible]

[illegible]

[illegible]

金

[illegible]

[illegible]

4/2/87

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

05-2005

[illegible]

[illegible]



[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[illegible]

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुखं देह्यते तदा मया कथितं यत्तु पाठेन साधयेत् । इति यादवेकं श्रुत्वा सुखात् । अथा दण्डादुक्तं स्यात् । यत्पठितं स्यात्तु दण्डायै मासापरान्तं पठन् । येन
पाठेन तेन पापी पुनरुक्ते रक्षी कुलादिभिर्भूतैः परलोकपालसायकास्तु पोषाणाकरा । देहापराधिकदण्डेन च निरुद्धा एव स्यात् । यदि तेन विनाशो जायते तदा दण्डमुच्यते । कुपयेत्तं पापीमात्रं ।
इत्येवमर्थेन साधयेत्तु साधयेत्तु साधयेत्तु । देहापराधिकदण्डेन च निरुद्धा एव स्यात् । यदि तेन विनाशो जायते तदा दण्डमुच्यते । कुपयेत्तं पापीमात्रं ।
देवी प्रपन्नसाम्पदं देवदेवि प्रदया । देहेन तु यथाज्ञेयं प्रदयात्तु साधयेत् । देहापराधिकदण्डेन च निरुद्धा एव स्यात् । यदि तेन विनाशो जायते तदा दण्डमुच्यते । कुपयेत्तं पापीमात्रं ।
यासां सर्वेषां साधयेत् । येन देवदेवि प्रदयात्तु साधयेत् । देहापराधिकदण्डेन च निरुद्धा एव स्यात् । यदि तेन विनाशो जायते तदा दण्डमुच्यते । कुपयेत्तं पापीमात्रं ।
दण्डयेत्तं पापीमात्रं । देहापराधिकदण्डेन च निरुद्धा एव स्यात् । यदि तेन विनाशो जायते तदा दण्डमुच्यते । कुपयेत्तं पापीमात्रं ।

[illegible]

15

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
मया वेत्तविद्यमानः पांडवैश्चैव ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः पांडवो हrishikesh
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे मया वेत्तविद्यमानः पांडवैश्चैव ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः पांडवो हrishikesh उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे
कुरुक्षेत्रे मया वेत्तविद्यमानः पांडवैश्चैव ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
पांडवो हrishikesh उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे मया वेत्तविद्यमानः
पांडवैश्चैव ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः पांडवो हrishikesh उवाच ॥ द्रुपद
उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे मया वेत्तविद्यमानः पांडवैश्चैव ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ११ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १२ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २० ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २१ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २२ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३० ॥

(Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

6

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

✓

(The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.)

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Hindi verses arranged in approximately four horizontal lines.]

[illegible]

[illegible]

45

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

201

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रसादात् पांडवैश्चर्यात्
तस्मात्तु त्वया प्रह्लादः शुकः सौमित्रः सुभिक्षः सुहृद्भिस्तथा ॥
कुन्तिपुत्राश्च धर्मराजस्य पुत्राश्चैव महाबलविरूपाक्षः ॥
शैब्यश्चैव भीमार्जुनसमैश्चैव पाण्डवैर्बलवानृतम ॥
उग्रैश्चैव द्रुपदपुत्रैश्चैव पाण्डवैर्बलवानृतम ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रसादात् पांडवैश्चर्यात्
तस्मात्तु त्वया प्रह्लादः शुकः सौमित्रः सुभिक्षः सुहृद्भिस्तथा ॥
कुन्तिपुत्राश्च धर्मराजस्य पुत्राश्चैव महाबलविरूपाक्षः ॥
शैब्यश्चैव भीमार्जुनसमैश्चैव पाण्डवैर्बलवानृतम ॥
उग्रैश्चैव द्रुपदपुत्रैश्चैव पाण्डवैर्बलवानृतम ॥

2

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

5

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

(Faint handwritten text from another page)

[illegible]

[illegible]

◎ 卷之二

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । यत्कुरुष्वपि यत्करिष्येति यत्प्रदद्यादि यत्तुल्यं यत्सर्वं यत्परं यत्पूजयेत् । तेनैव विष्णुः प्रकृतस्तस्मात्कुरुष्विति ।
 कुरुष्विति शब्दोक्तः । यत्कुरुष्वपि यत्करिष्येति यत्प्रदद्यादि यत्तुल्यं यत्सर्वं यत्परं यत्पूजयेत् । तेनैव विष्णुः प्रकृतस्तस्मात्कुरुष्विति ।
 कुरुष्विति शब्दोक्तः । यत्कुरुष्वपि यत्करिष्येति यत्प्रदद्यादि यत्तुल्यं यत्सर्वं यत्परं यत्पूजयेत् । तेनैव विष्णुः प्रकृतस्तस्मात्कुरुष्विति ।
 कुरुष्विति शब्दोक्तः । यत्कुरुष्वपि यत्करिष्येति यत्प्रदद्यादि यत्तुल्यं यत्सर्वं यत्परं यत्पूजयेत् । तेनैव विष्णुः प्रकृतस्तस्मात्कुरुष्विति ।
 कुरुष्विति शब्दोक्तः । यत्कुरुष्वपि यत्करिष्येति यत्प्रदद्यादि यत्तुल्यं यत्सर्वं यत्परं यत्पूजयेत् । तेनैव विष्णुः प्रकृतस्तस्मात्कुरुष्विति ।

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रसादात् पाप्मनस्तप्तवानहम् ।
तत्र त्वया प्रदीपात्तमिदं ध्यायेन्मनुष्यः ॥ २ ॥
शिरसाङ्घ्रातात् पितृभ्यश्चाप्यथैव हि ।
उपस्थानाङ्घ्रातमथ शिरसाञ्जलिम् ॥ ३ ॥
एतच्छीघ्रं कुरुध्यानाद्योगं परमहंस्यम् ।
इत्युक्त्वामृतमवासे मया शरीरे मेखरा ॥ ४ ॥

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । अहं हि परमो भक्तः किमिह कुरुते ॥ १ ॥

6

[illegible]

60

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Figure 1

[illegible]

200

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
मया मेलितः । त्वं मामकां च पाण्डुपुत्रांश्च शूरांस्तथा ॥ २ ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
मांसाद्यन्तास्त्वान् । परितो जयैषामाचार्यमुपास्यते ॥ ३ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
मया मेलितः । त्वं मामकां च पाण्डुपुत्रांश्च शूरांस्तथा ॥ ४ ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
मांसाद्यन्तास्त्वान् । परितो जयैषामाचार्यमुपास्यते ॥ ५ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायापमाना द्रुपदमुनिस्तथापि । सैन्यद्रोहो
भूतानामनुशङ्कितो मे मनः प्रविष्टो ह्यनेन । त्वमेव
योगेश्वर मया शिरसा स्मृतवानसि विसृजस्व मामन्धम् ।
त्वया यदा विदुषां पञ्चैतानां महाबाहो । तदा मुनिराज्ञा
प्रदीपिता मया द्रुपदमुनिरेव च । तत्रैव त्वया ज्ञेयं
मे कुरुक्षेत्रे भवति ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायापमाना द्रुपदमुनिस्तथापि । सैन्यद्रोहो
भूतानामनुशङ्कितो मे मनः प्रविष्टो ह्यनेन । त्वमेव
योगेश्वर मया शिरसा स्मृतवानसि विसृजस्व मामन्धम् ।
त्वया यदा विदुषां पञ्चैतानां महाबाहो । तदा मुनिराज्ञा
प्रदीपिता मया द्रुपदमुनिरेव च । तत्रैव त्वया ज्ञेयं
मे कुरुक्षेत्रे भवति ॥ २ ॥

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

0445

[illegible]

233

[illegible]

BOOK REVIEW

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

100

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

News



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

WILLIAM G. BURNS

[illegible]

24

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2004

[illegible]

360

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

9-10-05

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

大正十三年

1234567891011121314151617181920212223242526272829303132333435363738394041424344454647484950515253545556575859606162636465666768697071727374757677787980818283848586878889909192939495969798991001011021031041051061071081091101111121131141151161171181191201211221231241251261271281291301311321331341351361371381391401411421431441451461471481491501511521531541551561571581591601611621631641651661671681691701711721731741751761771781791801811821831841851861871881891901911921931941951961971981992002012022032042052062072082092102112122132142152162172182192202212222232242252262272282292302312322332342352362372382392402412422432442452462472482492502512522532542552562572582592602612622632642652662672682692702712722732742752762772782792802812822832842852862872882892902912922932942952962972982993003013023033043053063073083093103113123133143153163173183193203213223233243253263273283293303313323333343353363373383393403413423433443453463473483493503513523533543553563573583593603613623633643653663673683693703713723733743753763773783793803813823833843853863873883893903913923933943953963973983994004014024034044054064074084094104114124134144154164174184194204214224234244254264274284294304314324334344354364374384394404414424434444454464474484494504514524534544554564574584594604614624634644654664674684694704714724734744754764774784794804814824834844854864874884894904914924934944954964974984995005015025035045055065075085095105115125135145155165175185195205215225235245255265275285295305315325335345355365375385395405415425435445455465475485495505515525535545555565575585595605615625635645655665675685695705715725735745755765775785795805815825835845855865875885895905915925935945955965975985996006016026036046056066076086096106116126136146156166176186196206216226236246256266276286296306316326336346356366376386396406416426436446456466476486496506516526536546556566576586596606616626636646656666676686696706716726736746756766776786796806816826836846856866876886896906916926936946956966976986997007017027037047057067077087097107117127137147157167177187197207217227237247257267277287297307317327337347357367377387397407417427437447457467477487497507517527537547557567577587597607617627637647657667677687697707717727737747757767777787797807817827837847857867877887897907917927937947957967977987998008018028038048058068078088098108118128138148158168178188198208218228238248258268278288298308318328338348358368378388398408418428438448458468478488498508518528538548558568578588598608618628638648658668678688698708718728738748758768778788798808818828838848858868878888898908918928938948958968978988999009019029039049059069079089099109119129139149159169179189199209219229239249259269279289299309319329339349359369379389399409419429439449459469479489499509519529539549559569579589599609619629639649659669679689699709719729739749759769779789799809819829839849859869879889899909919929939949959969979989991000100110021003100410051006100710081009101010111012101310141015101610171018101910201021102210231024102510261027102810291030103110321033103410351036103710381039104010411042104310441045104610471048104910501051105210531054105510561057105810591060106110621063106410651066106710681069107010711072107310741075107610771078107910801081108210831084108510861087108810891090109110921093109410951096109710981099110011011102110311041105110611071108110911101111111211131114111511161117111811191120112111221123112411251126112711281129113011311132113311341135113611371138113911401141114211431144114511461147114811491150115111521153115411551156115711581159116011611162116311641165116611671168116911701171117211731174117511761177117811791180118111821183118411851186118711881189119011911192119311941195119611971198119912001201120212031204120512061207120812091210121112121213121412151216121712181219122012211222122312241225122612271228122912301231123212331234123512361237123812391240124112421243124412451246124712481249125012511252125312541255125612571258125912601261126212631264126512661267126812691270127112721273127412751276127712781279128012811282128312841285128612871288128912901291129212931294129512961297129812991300130

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-
श्रीमद्भगवद्गीता
अध्याय-
संस्कृत-
श्रीमद्भगवद्गीता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्यायस्य अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ १ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ २ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ ३ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ ४ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ ५ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ ६ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ ७ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ ८ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ ९ ॥
अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वन्मया प्रोक्तं त्वं शृणु ॥ १० ॥

25

[illegible]

Pravda

[illegible]

23

[illegible]

624

॥ अथ भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या ॥
 भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या भक्त्या ॥

सुखदुःखसंज्ञायां च तदुक्तं ।

[Faint, illegible handwritten text]

[illegible][illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
मां संकाशात्पश्यन्तः शून्यदृष्ट्वा विश्वकर्मात्मकम् ।
अर्जुनं तत्र विराट्स्थितं द्रुपदमुपासीत वीर्यवान् ।
उवाच । द्रुपद उवाच । पश्यैतां पांडवपुत्राणां चक्रं ।
भार्याहृतं हस्तं धनुर्विद्यया प्रसूतं महाबलम् ।
उवाच । श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
समवेता युयुत्सवः मां संकाशात्पश्यन्तः । शून्यदृष्ट्वा
विश्वकर्मात्मकं अर्जुनं तत्र विराट्स्थितम् । द्रुपदमुपासीत
वीर्यवान् । उवाच । द्रुपद उवाच । पश्यैतां पांडवपुत्राणां
चक्रं भार्याहृतं हस्तं धनुर्विद्यया प्रसूतं महाबलम् ।
उवाच । श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
युयुत्सवः मां संकाशात्पश्यन्तः शून्यदृष्ट्वा विश्वकर्मात्मकम् ।
अर्जुनं तत्र विराट्स्थितं द्रुपदमुपासीत वीर्यवान् ।

[illegible]

DATA ON

991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

336

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ४ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ५ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ६ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ७ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ८ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ९ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥ तून्मामकांस्तथैव बभूवुः संजय ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

10

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

23

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2000

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

29

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

NOTE[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

20

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

॥ १०॥

॥ ११॥

॥ १२॥

॥ १३॥

॥ १४॥

॥ १५॥

॥ १६॥

॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

23

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

SCOTT B. GARDNER

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script)

220

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

महामये तु शुक्रा पामसि कर्तुं न शक्यते । देवैः सहितैः सैन्येण सुखं ययौ च अरुणादम् । त्रिमयास्तुता पादपुष्पा मारुतकन्दरा मयेष्टे सा कमेव । तत्रैव भक्त्या प्रभवेत् पञ्चश्रेष्ठः
तु रघुनाथस्तु नमः । सुप्रसन्नो वा नमः सुप्रसन्नो वा नमः । देवैः सहितैः सैन्येण सुखं ययौ च अरुणादम् । त्रिमयास्तुता पादपुष्पा मारुतकन्दरा मयेष्टे सा कमेव । तत्रैव भक्त्या प्रभवेत् पञ्चश्रेष्ठः
अथावास्तु नमः । देवैः सहितैः सैन्येण सुखं ययौ च अरुणादम् । त्रिमयास्तुता पादपुष्पा मारुतकन्दरा मयेष्टे सा कमेव । तत्रैव भक्त्या प्रभवेत् पञ्चश्रेष्ठः
येषु महामये सहितैः सैन्येण सुखं ययौ च अरुणादम् । त्रिमयास्तुता पादपुष्पा मारुतकन्दरा मयेष्टे सा कमेव । तत्रैव भक्त्या प्रभवेत् पञ्चश्रेष्ठः
एतेनैव महामये सहितैः सैन्येण सुखं ययौ च अरुणादम् । त्रिमयास्तुता पादपुष्पा मारुतकन्दरा मयेष्टे सा कमेव । तत्रैव भक्त्या प्रभवेत् पञ्चश्रेष्ठः
महामये सहितैः सैन्येण सुखं ययौ च अरुणादम् । त्रिमयास्तुता पादपुष्पा मारुतकन्दरा मयेष्टे सा कमेव । तत्रैव भक्त्या प्रभवेत् पञ्चश्रेष्ठः
महामये सहितैः सैन्येण सुखं ययौ च अरुणादम् । त्रिमयास्तुता पादपुष्पा मारुतकन्दरा मयेष्टे सा कमेव । तत्रैव भक्त्या प्रभवेत् पञ्चश्रेष्ठः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

9

[illegible]

1954-1955

[illegible]

23

[illegible][illegible]

[illegible]

ASD

[illegible]

54

[illegible]

[illegible]

Index

[illegible]

3

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

THE

[illegible]



200

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

290

[illegible]

2

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

32

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

23

[illegible]

[illegible]

[illegible]

36

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुपुत्र उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सारथा मया ।
 गताः ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच । धर्मधर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सारथा मया गताः ॥ २ ॥ भीष्म उवाच । पाण्डव
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सारथा मया
 गताः ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सारथा मया गताः ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादाः ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीमानी ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिं पुरा त्वमेव प्रबोधयसीदम् ॥ वीर्यवान् संशितबुद्धिस्तस्मात्प्रसादयेत्तु मे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीमानी ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिं पुरा त्वमेव प्रबोधयसीदम् ॥ वीर्यवान् संशितबुद्धिस्तस्मात्प्रसादयेत्तु मे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीमानी ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिं पुरा त्वमेव प्रबोधयसीदम् ॥ वीर्यवान् संशितबुद्धिस्तस्मात्प्रसादयेत्तु मे ॥

1931

॥ बुद्धाय नमः ॥

कमलमय कान्त देव कन्या परमेश्वरिणी ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ भगवत्पुत्रोत्पत्तिः ॥ ॥ अथ भगवत्पुत्रोत्पत्तिः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५५ ॥

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥

[illegible]

404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 1052 1053 1054 1055 1056 1057 1058 1059 1060 1061 1062 1063 1064 1065 1066 1067 1068 1069 1070 1071 1072 1073 1074 1075 1076 1077 1078 1079 1080 1081 1082 1083 1084 1085 1086 1087 1088 1089 1090 1091 1092 1093 1094 1095 1096 1097 1098 1099 1100 1101 1102 1103 1104 1105 1106 1107 1108 1109 1110 1111 1112 1113 1114 1115 1116 1117 1118 1119 1120 1121 1122 1123 1124 1125 1126 1127 1128 1129 1130 1131 1132 1133 1134 1135 1136 1137 1138 1139 1140 1141 1142 1143 1144 1145 1146 1147 1148 1149 1150 1151 1152 1153 1154 1155 1156 1157 1158 1159 1160 1161 1162 1163 1164 1165 1166 1167 1168 1169 1170 1171 1172 1173 1174 1175 1176 1177 1178 1179 1180 1181 1182 1183 1184 1185 1186 1187 1188 1189 1190 1191 1192 1193 1194 1195 1196 1197 1198 1199 1200 1201 1202 1203 1204 1205 1206 1207 1208 1209 1210 1211 1212 1213 1214 1215 1216 1217 1218 1219 1220 1221 1222 1223 1224 1225 1226 1227 1228 1229 1230 1231 1232 1233 1234 1235 1236 1237 1238 1239 1240 1241 1242 1243 1244 1245 1246 1247 1248 1249 1250 1251 1252 1253 1254 1255 1256 1257 1258 1259 1260 1261 1262 1263 1264 1265 1266 1267 1268 1269 1270 1271 1272 1273 1274 1275 1276 1277 1278 1279 1280 1281 1282 1283 1284 1285 1286 1287 1288 1289 1290 1291 1292 1293 1294 1295 1296 1297 1298 1299 1300 1301 1302 1303 1304 1305 1306 1307 1308 1309 1310 1311 1312 1313 1314 1315 1316 1317 1318 1319 1320 1321 1322 1323 1324 1325 1326 1327 1328 1329 1330 1331 1332 1333 1334 1335 1336 1337 1338 1339 1340 1341

[illegible]

3

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे भगवत्पश्यन् कुरुपुत्रं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ।

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया युद्धार्थाय मामेकं वचनं ॥ २ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ११ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २१ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script across multiple lines.]

30

[illegible]

2000

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ २ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ६ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ८ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ ९ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रो द्रुपदस्य वीर्यवान् ॥ १० ॥

३४६६

[illegible]

3

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

1927

100

25

[illegible]

[The image shows two pages of handwritten manuscript in Devanagari script. The handwriting is dense and cursive, typical of older Indian manuscripts. There are approximately 8-9 lines of text visible on each page. The ink appears dark, possibly iron gall or similar traditional pigment. The paper has a slightly aged, yellowish tint.]

[illegible]

136

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

59

[illegible]

[illegible]

७७। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ७७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ७८ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ७९ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८० ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८१ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८२ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८४ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८५ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८६ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८७ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८८ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८९ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ९० ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

天啓

[illegible]

32

[The text in this block is extremely faint and illegible due to severe fading or damage.]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

202

[illegible]

2004

[illegible]

0270

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे शूराध्याये ॥
पुरुषोत्तम उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ
द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे
संभवन्निनादौ ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ ॥
द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे
संभवन्निनादौ ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ ॥
द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे
संभवन्निनादौ ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादौ ॥

[The following section contains extremely faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

200

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.]

卷之四

[illegible]

[illegible]

272

[illegible]

23

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । मया कृतं यत्किंचित्पण्यं ब्रह्मचर्यादियुगात् । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत साज्जन्यम् । ॥

23

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहू । १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिराज ॥ त्वया प्रदिश्यामीति मे श्रुत्वा हि महामुने । २ ॥ पाण्डवस्य ह्यथ वीर्यवान्पुत्रस्तप्तकर्मा तप्तविभूत्याम् । ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ त्वं प्रदिशस्व मया प्रकीर्त्यमानम् । ४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ते पुत्रो बभूवुः पराक्रमवान् । ५ ॥ द्रुपद उवाच ॥ त्वं प्रदिशस्व मया प्रकीर्त्यमानम् । ६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ते पुत्रो बभूवुः पराक्रमवान् । ७ ॥ द्रुपद उवाच ॥ त्वं प्रदिशस्व मया प्रकीर्त्यमानम् । ८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ते पुत्रो बभूवुः पराक्रमवान् । ९ ॥ द्रुपद उवाच ॥ त्वं प्रदिशस्व मया प्रकीर्त्यमानम् । १० ॥

(The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.)

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

संस्कृत-विद्यापीठ

(Faint handwritten Devanagari script)

200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

५४३५ ५५५१

[illegible]

3

[illegible]

2007年12月

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

16

[illegible]

100

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

१९७७

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णाय नमः ॥

ਕਰੁਣਾ ਕਰੁਣਾ ਕਰੁਣਾ
ਕੇਲੀ ਪਦਮ ਦਾਸ ਕਰੁਣਾ
ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਕਰੁਣਾ
੨੦੨੩ ਏਕੰਕਾਰ
ਕਰੁਣਾ ਕਰੁਣਾ ਕਰੁਣਾ
ਕਰੁਣਾ ਕਰੁਣਾ ਕਰੁਣਾ

दर श्रेष्ठ अथवा
पुष्पाक्षयिणी
सुन्दरी कथा सुन्दरी
मूर्ति का दृष्टि अथवा
अथवा अथवा
अथवा अथवा

[illegible][illegible][illegible]

50
175
95
50

[illegible]

James G. Thompson

[illegible]

ALPHA

(The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and bleed-through from the reverse side of the page.)

1997

12/20/99

[illegible]

2000

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

1954年10月

[illegible]

22

[illegible]

Q12

2007

[illegible]

[illegible]

[illegible]

33

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

40

1997

[illegible]

